तीन से चार घंटे प्रदूषण से संपर्क बच्चों के लिए घातक

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

बच्चों को सांस की बीमारी से बचाना है तो इस बात पर गौर करें कि स्कूल जाने के लिए बच्चा किस वाहन का इस्तेमाल करता है। एक अध्ययन में देखा गया कि 92 प्रतिशत स्कूल जाने वाले बच्चे असुरक्षित स्कूल रिक्शा का प्रयोग करते हैं या फिर वाहक द्वारा उन्हें स्कूल छोड़ा जाता है। ऐसा करते हुए जाने अंजाने बच्चे रोजाना तीन से चार घंटे प्रदूषण के संपर्क में आते हैं। जिसका लंबा असर उनकी सांस संबंधी परेशानी पर पड़ता है।

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट के श्वसन रोग विभाग के डॉ. राजकुमार ने बताया कि केवल तीन प्रतिशत ही बच्चे सुरक्षित वाहनों से स्कूल पहुंच रहे हैं। जिसमें बच्चों के माता पिता उन्हें स्कूल छोड़ने जाते हैं।

हील फाउंडेशन के डॉ. प्रतिश कौल ने बताया कि दिल्ली में किए गए अध्ययन के अनुसार 48 प्रतिशत अभिभावक कभी अपने वाहनों की प्रदूषण जांच नहीं कराते। जबकि 12 प्रतिशत ने माना कि हर बार यातायात पुलिस के रोकने पर ही उन्होंने प्रदूषण जांच का स्टिकर बदला। अध्ययन में यह भी देखा गया कि बच्चों को स्कूल ले जाते हुए 80 प्रतिशत रेड लाइट पर इंजन बंद नहीं करते।

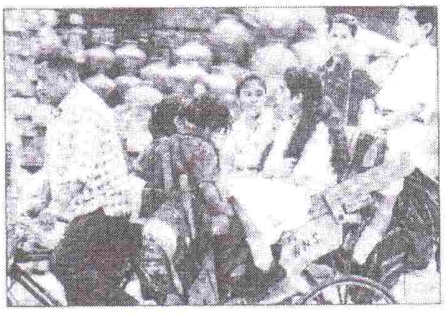

92% बच्चे दिल्ली के खुले रिक्शे में जाते हैं स्कूल | **03** प्रतिशत ही सुरक्षित वाहनों से जा रहे स्कूल

जीन एलर्जिक

इसे क्रानिक अस्थमा कहते हैं, एक विशेष तरह का जीन जन्म से ही फेफड़े के नलियों में सकुचन की वजह हो सकता है। इन मरीजों को दवाओं के साथ ही इन्हेलर भी दिया जाता है। बचाव के लिए ऐसे मरीजों को ऐसी जगहों पर जाने से मना किया जाता है, जहां ऑक्सीजन का स्तर सामान्य से कम हो।

क्या है अस्थमा एलर्जिक

इसमें बीमारी के शिकार मरीज को कुछ विशेष तरह की चीजों से एलर्जिक होती है, ऑक्सीजन स्तर कम होने, धूल, धुंए या फिर संरक्षित भोज्य खाने से इन लोगों को सांस लेने में तकलीफ होती है। एलर्जिक अस्थमा में हालांकि अटैक का खतरा कम होता है। बावजूद इसके ऐसे मरीजों को बचाव के लिए एंटी इनफ्लेमेटरी दवाएं दी जाती हैं।

संक्रमण से बचने के उपाय

- बच्चों के आसपास कभी सिगरेट न पीएं
- घर में पालतू जानवरों से भी हो सकता है खतरा
- यदि एलर्जी है तो पूजा की धूप व सामग्री को न जलाएं
- रंग रोगन व वार्निश कराते समय रखें विशेष ध्यान
- अधिक मात्रा जैम जैली व संरक्षित खाद्य सामग्री नहीं ठीक
- फूड एलर्जी भी अस्थमा की वजह हो सकती है

5th May 2015
Hindustan (Delhi Edition)